

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,  
अपर सचिव।  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक,  
संस्कृति विभाग,  
उत्तरांचल, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक 6 दिसम्बर, 2004

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 में जनपद पिथौरागढ़ में निर्माणाधीन आडीटोरियम एवं संग्राहालय भवन के अवशेष कार्य हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ के पत्र संख्या-1093/2004 दिनांक 03 जून 2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पिथौरागढ़ प्रेक्षागृह एवं संग्राहालय के अवशेष कार्य के निर्माण हेतु प्रस्तुत पुनरीक्षित आगंणन पर, वित्त विभाग/टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित लागत रु0 88.40 लाख पर प्रशासकीय स्वीकृति के साथ-साथ इस लागत के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2004-05 में रु0 50.00 लाख (रुपये पचास लाख मात्र) व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के आधार पर व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- निर्माण कार्य की प्रगति का अनुश्रवण संस्कृति विभाग के जनपद स्तर अधिकारी/नामित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि के द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिमाह कराकर इसकी मासिक आख्या शासन को प्रतिमाह उपलब्ध करायी जायेगी। जिलाधिकारी पिथौरागढ़ इस मासिक आख्या को अपनी संस्तुति सहित अग्रसारित करेंगे। इस आख्या में कार्य की मदवार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति भी उपलब्ध करायी जायेगी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता के साथ समयबद्ध आधार पर पूर्ण करने का दायित्व निर्माण एंजेन्सी का होगा। स्वीकृत आगंणन के अनुरूप स्वीकृत कार्यों को पूर्ण करने का समय सारणी निर्माण इकाई द्वारा प्रभारी राजकीय संग्रहालय पिथौरागढ़, जिलाधिकारी के माध्यम से एक-एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करायी जायेगी।

3- यहाँ पर भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है और व्यय इस प्रकार किया जाये जिससे भवन का तुरन्त लोकार्पण किया जा सकें।

4- किसी भी मद में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल भंडार कय नियम तथा मितव्ययता सम्बन्धी समय समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी0जी0एस0एण्ड0डी0 की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

5- चूंकि पत्रावली पर नियोजन विभाग द्वारा सम्पूर्ण कार्य एक माह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं इसलिए प्राथमिकता के आधार पर उक्त संग्रहालय एवं प्रेक्षागृह में विद्युतिकरण का कार्य पूरा करा लिया जाय।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4202 शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-04-कला एवं संस्कृति-106-संग्राहालय-03-संग्राहालय भवन सम्बन्धि निर्माण-24- वृहत निर्माण कार्य के आयोजनागत पक्ष के मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

7- स्वीकृत की जा रही धनराशि के व्यय के उपरान्त दिनांक 01-03-2005 तक इसका मदवार विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

8- व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया गया है।

9- इस कार्य को उच्चप्राथमिकता प्रदान करते हुये सम्पन्न कराया जायगा एवं साप्ताहिक प्रगति का मदवार विवरण प्रभारी राजकीय संग्रहालय पिथौरागढ़ जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को

उपलब्ध कराया जायगा। भविष्य में इस कार्य की लागत में कोई भी पुनरीक्षण किसी भी दशा में अनुमन्य न होगा।

10- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-847/वित्त अनुभाग-2/2004 दिनांक 2 दिसम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी की जा रहें है।

भवदीय,

(अमिताम श्रीवास्तव)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- /VI-1/2004 तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- सचिव, लोक निर्माण विभाग।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़, को उनके पत्र संख्या-1093/2004 दिनांक 03 जून 2004 के अनुक्रम में आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित।
- 6- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, पिथौरागढ़।
- 7- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 8- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 9- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 10- प्रभारी राजकीय संग्रहालय पिथौरागढ़।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताम श्रीवास्तव)  
अपर सचिव।